>

Title : Problems being faced by the mid-day meal workers in the Country.

-

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा): उपाध्यक्ष महोदय, इस देश के अंदर मिड-डे-मील वर्कर्स, जो स्कूलों में बच्चों के लिए खाना बनाते हैं, मैं उनकी वर्किंग कंडीशन्स एवं पे-कंडीशन की ओर आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। यह स्कीम बहुत पुरानी है। यह स्कीम कई राज्यों में केन्द्र सरकार की सहायता के बिना शुरू हुई थी। हमारे यहां गुजरात में भी यह स्कीम बहुत पहले से चल रही है। इतने सालों से चलने के बावजूद अभी तक इस स्कीम के तहत काम करने वाले लोगों को बहुत कम वेतन दिया जा रहा है।

महोदय, इस साल तो केन्द्र सरकार ने इस स्कीम के तहत बहुत ज्यादा पैसा दिया है, लेकिन फिर भी इस स्कीम के अन्तर्गत मिड-डे-वर्कर को तनख्वाह 500 रुपए, खाना बनाने वाले को 250 रुपए और बर्तन साफ करने वाले को 175 रुपए तनख्वाह के रूप में मिलते हैं। यह बहुत ही दयनीय स्थिति है। इतने सालों के बाद अभी तक इन लोगों को केवल 500, 250 और 175 रुपए मिलते हैं।

महोदय, मैं केन्द्र सरकार को बधाई देता हूं कि उसने आंगनवाड़ी वर्कर्स की तनख्वाह बढ़ाई है, हालांकि बहुत से राज्यों ने अभी तक आंगनवाड़ी वर्कर्स को केन्द्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तनख्वाह के एरियर्स नहीं दिए हैं। [r18] अभी तक भी उनकी तनख्वाहें नहीं बढ़ी है, लेकिन जैसे आंगनबाड़ी में काम करने वाली बहनों की तनख्वाहें बढ़ायी गयीं, उसी तरह मैं सरकार से विनती करना चाहता हूं कि मिड-डे-मील वर्कर्स की तनख्वाह पांच सौ रूपए से बढ़ाकर एक हजार रूपए करे, कुक की तनख्वाह ढाई सौ रूपए से बढ़ाकर पांच सौ रूपए करे और यूटेंशल क्लीनर जिसे 175 रूपए मिलते हैं, उसकी राशि बढ़ाकर साढ़े तीन सौ रूपए करे। मेरी यह मांग है। मैं महंगाई और दूसरे मुद्दे पर नहीं जाना चाहता हूं, लेकिन जो परिस्थिति पूरे देश के अंदर मिड-डे-मील वर्कर्स की है, उसे देखते हुए - I would just request the hon. Minister for Parliamentary Affairs to bring to the notice of the Government of India to increase salary of these mid-day meal workers and to make it Rs. 1,000 from Rs. 500, Rs. 500 from Rs. 250 and Rs. 350 from Rs. 175. I wish that the Government will take a note of it.

I request the Minister for Parliamentary Affairs to please give some sort of assurance in this regard because there are thousands of workers in this country who will really be benefited. I will be very happy to have a response from the hon. Minister for Parliamentary Affairs. ...(*Interruptions*)

SHRI SANDEEP DIKSHIT (EAST DELHI): Sir, I also associate. ...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF OVERSEAS INDIAN AFFAIRS AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI VAYALAR RAVI): Sir, we are all concerned. ...(*Interruptions*) I will convey this to the concerned Minister. ...(*Interruptions*)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY : Thank you very much.